विकास के पथ पर
उत्तर प्रदेश
मिर्जापुर मंडल

गुणवत्ता और डिजाइन के लिए पूरी दुनिया में धाक जमाने वाली भदोही की कालीन घर में ही उपेक्षित थी। अब, 179.40 करोड़ रुपये से योगी सरकार द्वारा निर्मित कारपेट एक्सपो मार्ट में आयातकों के सामने प्रदर्शन की सुविधा ने कालीन उद्यमियों के लिए नये रास्ते खोल दिये हैं।

एक्सपो मार्ट : कालीन उद्योग को मिली नई पहचान

कालीन मेलों के माध्यम से भदोही तक आएंगे आयातक

विशेष रिपोर्ट

भदोही। जिले में 179.40 करोड़ रुपये से निर्मित कारपेट एक्सपो मार्ट अगले कुछ महीनों में कालीन उद्योग पर असर दिखाने को तैयार है। देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों में देश के अन्य हिस्सों के मुकाबले उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से भदोही की कालीन निर्यात में हिस्सेदारी घटने लगी थी। इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद भदोही आकर कारपेट एक्सपो मार्ट का लोकार्पण किया, लेकिन कोविड के चलते यहां अब तक आयोजन नहीं हो सका। लेकिन, इसके संचालक कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) ने अब इसे अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले के लिए पूरी तरह से तैयार बताते हुए यहां गतिविधियां शुरू करने की हरी झंडी दे दी है। तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। 9 जून 2018 को भदोही आकर मुख्यमंत्री ने कारपेट एक्सपो मार्ट का लोकार्पण किया था। इसके निर्माण का उद्देश्य यह था कि विश्वस्तरीय कालीन प्रदर्शनियों का आयोजन भदोही में ही हो सके। विदेशी आयातक सीधे भदोही आएं और लघु व मझोले उद्यमी भी अपने उत्पाद यहां लगने वाले अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले में प्रदर्शित कर सकें। योगी सरकार की पहल पर यहां गतिविधियां चालू करने के प्रयास शुरू कर दिये गये हैं। अक्तूबर में इंडिया कारपेट एक्सपो का आयोजन होगा। मझोले कालीन निर्माताओं और बुनकरों के लिए विशेष आयोजनों पर भी विचार चल रहा है।

नजदीक से लेंगे कालीन मेले का अनुभव

अब तक देश में केवल दो कालीन मेले लगते थे। मार्च में नई दिल्ली में तथा अक्तूबर में वाराणसी में। भदोही में मार्ट के बन जाने से यह तय हो गया है कि भदोहीवासी नजदीक से कालीन मेलों का अनुभव कर सकेंगे और जब विदेशी खरीदारों की आमद के बीच तीन सौ से अधिक छोटे-बड़े कालीन निर्यातक अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे तो निश्चित रूप से न केवल सैकड़ों निर्यातकों को बल्कि लाखों बुनकर, कालीन मजदूरों तक मार्ट का लाभ पहुंचेगा।

हम लोगों का शुरू से ही जोर रहा है कि मार्ट में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हों। मुझे पूरी उम्मीद है कि इसका लाभ छोटे से छोटे कालीन उत्पादक को मिलेगा।

– ओ.एन. मिश्र, अध्यक्ष ऑल इंडिया कारपेट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एकमा)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारपेट एक्सपो मार्ट के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शासन स्तर से यहां आयोजन शुरू करने के लिए कई चार एमएसएमई प्रमुख सचिव भदोही आए और सीईपीसी समेत कालीन उद्यमियों से वार्ता की, जिसके बाद इसके शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हो सका। **– जय प्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष, एकमा**

कालीन नगरी के 8.94 लाख लोगों को मिला रोजगार

विशेष रिपोर्ट

संकट के समय लोगों को मनरेगा व स्वरोजगार योजना का मिला लाभ

भदोही। यूपी की योगी सरकार के साढ़े साल पूरे हो चुके हैं। कोरोना संक्रमण के बाद भी सरकार रोजगार सृजन के मामले में अव्वल रही है। मनरेगा और स्वरोजगार योजना रोजगार सृजन में बेहतर रही हैं। अकेले कालीन नगरी यानी भदोही जिले के 8 लाख 94 हजार हाथों को काम मिला। शहरी रोजगार सृजन योजना से भी हाथों को काम मिला। योजना में साढ़े चार साल में 63 हजार महिलाएं रोजगार में खुद को आगे बढ़ा रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका

इससे उन परिवारों की हालत सुधरी।

वर्ष 2017 में सूबे की सत्ता भाजपा के हाथ में आई और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने। उनके नेतृत्व में सरकार ने तेजी से काम किया। करीब साढ़े चार साल में कालीन नगरी भी विकास संग रोजगार सृजन में आगे रही। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना रोजगार सृजन में सबसे आगे रही। 2017 से लेकर अब तक मनरेगा में आठ लाख 32 हजार लोगों के हाथों को काम मिला और 61 लाख 76 हजार मानव दिवस सृजित हुए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और मिशन से जुड़ी महिलाएं सामुदायिक शौचालय, बिजली बिल वसूली, बाल विकास एवं पुष्टाहार योजना के तहत पोषाहार वितरण सहित कई योजनाओं में भागीदारी कर रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित होने वाले समूहों की बदौलत महिलाएं एकजुट भी हुई हैं। कई ऐसी महिलाओं को मान-सम्मान मिला जो कभी घर में बैठे-बैठे ऊबती थीं। काम के अभाव में घर में बैठने वाली महिलाओं को उनके घर के पास ही काम करने का अवसर मिला। समूहों के जरिये बचत की भी आदत बनी है।

मीडिया सॉल्यूशन इनीशिएटिव

योगी सरकार की मदद से कालीन कामगार भी बन गये कारोबारी

एक जिला एक उत्पाद में शामिल होने के बाद तेजी से बढ़ा कारोबार

54 लोगों को पिछले वर्ष और 13 को इस वित्तीय वर्ष में दिया गया ऋण

विशेष रिपोर्ट

5000 से ज्यादा को मिला रोजगार
47 करोड़ रुपये का ऋण बांटा

0150 छोटे व मझोले उद्यमियों ने ऋण लेकर स्थापित किए कारखाने

भदोही। भदोही जिले की मखमली कालीन को एक नई पहचान देने के लिए प्रदेश सरकार ने साढ़े चार वर्षों से वो काम किया है, जो शायद कभी नहीं हुआ था। एक जिला एक उत्पाद के रूप में जब जिले के कालीन उद्योग को शामिल किया गया तो कारोबारियों के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। जिनके पास कम पूंजी थी या बिल्कुल नहीं थी, लेकिन कारोबार करने की इच्छा प्रबल थी, उनके लिए तो यह सबसे बेहतरीन मौका रहा। बिना किसी झंझट के, बगैर किसी को सुविधा शुल्क दिए ही ऋण मिला और कारोबार स्थापित करके आज अपने ही नहीं, बल्कि हजारों लोगों को रोजगार दे रहे हैं। साढ़े चार साल में जिले के 150 उद्यमियों को 47 करोड़ का ऋण रूपी बूस्टर मिला। इससे कारोबार को गति मिल गई। ये सभी कारोबारी मिलकर करीब पांच हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार दे रहे हैं। वर्ष 2018 में सरकार ने एक जिला एक उत्पाद योजना की शुरूआत की। इसमें हर जिले के किसी न किसी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कम ब्याज पर ऋण मुहैया कराया। इसका असर भी दिख रहा है। उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया सामुदायिक परंपरा को नया रंग दे रही है, जिन्हें आधुनिकीकरण और प्रसार के माध्यम से पुनर्जीवित किया गया। वर्ष 2018-19 में 38 लोगों को 6.98 करोड़, 2019-20 में 49 लोगों को 13.68 करोड़, 2020-21 में 54 लोगों को 13.82 करोड़, जबकि 2021-22 में अब तक 13 लोगों को दो करोड़ ऋण दिया गया।

कालीन उद्योग ने हजारों लोगों को दी रोजी-रोटी

सरकार ने ओडीओपी के तहत जिले के कालीन उद्योग को चुना, तो इससे हजारों परिवारों को रोजगार मिला। दो साल पहले 25 लाख रुपये का ऋण लिया था। अब कारोबार ठीक से चल रहा है। 54 लोग काम करते हैं। इस योजना से ऋण भी आसानी से मिल गया था।

– अक्षय कुमार उपाध्याय, रामकपुरा, भदोही।